बृहस्पतिवार
17 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

स्ट्रॉबेरी को इन तरीकों से करें अपने स्किन केयर रुटीन में शामिल, मिलेंगे कई फायदे

पृष्ठ 5

पत्रकार जिग्ना वोरा की भूमिका निभाएंगी करिश्मा तन्ना

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 24
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

तप ही परम कल्याण का साधन है। दूसरे सारे सुख तो अज्ञान मात्र हैं।

— वाल्मीकि

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सोशल मीडिया की खबरों से खलबली

●कोई कांग्रेस की सरकार बनवा रहा है तो कोई भाजपा की तो कोई त्रिशंकु सरकार का कर रहा है दावा

संवाददाता

देहरादून। राज्य की पांचवीं विधानसभा कैसी होगी, किसकी सरकार बनेगी और कौन विपक्ष में बैठेगा, जनता इसका फैसला कर चुकी है यह फैसला 10 मार्च को सुनाया जाएगा। लेकिन इससे पूर्व ही सोशल मीडिया पर वायरल खबरें कांग्रेस के पूर्ण बहुमत से सत्ता में आने का दावा कर रही है। 'वैली मेल सांध्य दैनिक' इन खबरों की पुष्टि नहीं करता है लेकिन इन खबरों में कांग्रेस को 36 सीटों पर जीत के साथ सत्ता में आने की बात कही गई है जबकि भाजपा को 27 सीटों पर जीत के साथ दूसरी बड़ी पार्टी रहने की बात कही गई है।

इन खबरों की विश्वसनीयता इसलिए भी संदेह के घेरे में है क्योंकि इसे मतदान के बाद एलआईयू की रिपोर्ट के तौर पर पेश किया गया है। सवाल यह है कि अगर एलआईयू ने ऐसा कोई आकलन किया भी होगा तो क्या उसकी गोपनीयता को भंग किया जा सकता है। इस खबर में कांग्रेस को 36 सीटें तथा भाजपा को 27 सीटें मिलने के साथ-साथ बसपा को 4 सीटें मिलने व एक सीट यूकेडी को मिलने व दो अन्य को मिलने की बात कही गई है जबकि आप का राज्य में खाता न खुलने की बात भी कही गई है।

इस रिपोर्ट को इतना विस्तृत बनाया गया है कि इसमें सभी प्रमुख सीटों पर यह तक बताया गया है कि किस सीट पर किस पार्टी का प्रत्याशी जीत रहा है या बढ़त बनाए हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मतगणना से पूर्व किया गया कोई भी आकलन सौ फीसदी सच नहीं होता है। सच वही होगा जो 10 मार्च को मतगणना के बाद सामने आएगा। फिलहाल निर्वाचन आयोग द्वारा किसी भी तरह के चुनाव पूर्व सर्वे पर रोक लगाई हुई है जो अंतिम चरण के मतदान समाप्त होने तक जारी रहेगी। जिसके मद्देनजर कोई भी सर्वे या एग्जिट पोल न ही दिखाया या प्रकाशित नहीं किया जा सकता है क्योंकि इससे दूसरे राज्यों में जहां अभी चुनाव होना बाकी है प्रभावित हो सकते हैं। चर्चा यह भी है कि इस तरह की खबर सोशल मीडिया पर एक राजनीतिक दल के नेता के बेटे द्वारा फैलाई गई है। जो भी हो सोशल मीडिया की इस खबर को लेकर राजनीतिक हलकों में खलबली मची हुई है। उधर एलआईयू के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन खबरों से एलआईयू का कोई लेना देना नहीं है सोशल मीडिया पर ऐसे और भी कई लिस्टे वायरल हो रही हैं जिनमें कांग्रेस को 27 और भाजपा को 36 सीटें मिलने का दावा किया जा रहा है तो कोई त्रिशंकु विधानसभा बनने का दावा कर रहा है।

अब यूपी के चुनावी रण में उतरेंगे सूबे के रणवीर

❑चौथे चरण के प्रचार में जाएंगे उत्तराखंड के नेता

संवाददाता

देहरादून। भाजपा और कांग्रेस अपने बड़े सूबाई नेताओं को उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार में उतारने की तैयारी कर रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस हाईकमान ने उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेताओं को उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार अभियान में लगाने की तैयारी कर ली है। राज्य में 14 फरवरी को मतदान संपन्न होने के बाद अब कांग्रेस सूबे के बड़े नेताओं को उत्तर प्रदेश भेजने जा रही है। जिन नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए भेजा जा रहा है उनमें पूर्व सीएम हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गणेश गोदियाल तथा डॉ. हरक सिंह व यशपाल आर्य जैसे नाम इस सूची में शामिल है।

कांग्रेस ही नहीं भाजपा भी राज्य के कई बड़े नेताओं का उपयोग उत्तर प्रदेश चुनाव में करने जा रही है। भाजपा के जिन नेताओं को प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा है उनमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, सतपाल महाराज, पूर्व सीएम विजय बहुगुणा व डॉ रमेश पोखरियाल निशंक के नाम बताए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में अभी दो चरण का चुनाव हुआ है तथा तीसरे चरण का प्रचार अभियान अब अंतिम दौर में पहुंच चुका है। इसलिए अब चौथे चरण के चुनाव प्रचार से पूर्व भाजपा व कांग्रेस अपने प्रचार अभियान में उत्तराखंड के नेताओं को उतारने की तैयारी कर चुके है। यूपी में क्योंकि 7 चरण में मतदान होना है इसलिए अभी चुनाव प्रचार अभियान भी लंबा चलेगा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पूर्व सीईओ चित्रा रामकृष्ण के घर पर इनकम टैक्स की रेड

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पूर्व सीईओ चित्रा रामकृष्ण के मुंबई के निवास पर इनकम टैक्स की रेड हुई है। उन पर आध्यात्मिक गुरू के साथ गोपनीय जानकारी को साझा करने का आरोप है। इससे पहले सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने ११ फरवरी को रामकृष्ण पर जुर्माना लगाया था।

मार्केट रेगुलेटर ने एक्सचेंज की आंतरिक गोपनीय जानकारी को किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा करने के लिए चित्रा पर ३ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसके अलावा चित्रा पर एक वरिष्ठ अधिकारी आनंद सुब्रमण्यन की नियुक्ति में अनियमितता का भी आरोप है। इसके लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और वरिष्ठ मैनेजमेंट भी जिम्मेदार था। रामकृष्ण ने कहा था कि सुब्रमण्यन के कंपनसेशन के संबंध में फैसलों पर उन्हें हिमालय में रहने वाले एक योगी द्वारा सलाह दी जा रही थी। सेबी के आदेश के मुताबिक, रामकृष्ण, जिन्होंने दिसंबर २०१६ में पद छोड़ा था, ने अज्ञात व्यक्ति के साथ प्रबंधन के ढांचे, डिविडेंड की स्थिति, वित्तीय नतीजों, मानव संसाधन की पॉलिसी और संबंधित मामलों, रेगुलेटर को रिस्पॉन्स जैसी जानकारी को अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा किया था। सुब्रमण्यन १ अप्रैल २०१३ से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के चीफ स्ट्रैटजिक एडवायजर रहे थे।

पिछले 24 घंटों में भारत में कोरोना संक्रमण के 30757 नए केस आए, 541 लोगों की मृत्यु हुई

नई दिल्ली। देश कोरोना संक्रमण के पिछले २४ घंटों में ३०,७५७ नए मामले ज्यादा आए हैं। ऐसे में बुधवार के मुकाबले नए केस में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, पिछले २४ घंटों में देश में कोरोना वायरस से ५४१ लोगों की मौत हुई। यही नहीं, ६७,५३८ लोग कोविड–१६ से ठीक हो चुके हैं, जिसके बाद कुल डिस्चार्ज हुए लोगों की संख्या अब ४,१६,१०,६८४ हो गई है।

भारत में अभी भी ३ लाख ३२ हजार ६१८ सक्रिय मामले मौजूद हैं। इस दौरान दैनिक संक्रमण दर २.६१ प्रतिशत रहा। बताते चलें कि बुधवार

को कोरोना संक्रमण के ३०,६१५ नए मामले सामने आए थे, जोकि मंगलवार के मुकाबले ११ प्रतिशत ज्यादा थे। इसके बाद कुल मामलों का आंकड़ा ४,२७,२३,५५८ हो गया था। देश में कोरोना वायरस के नए मामलों में लगातार कमी दर्ज की जा रही थी, लेकिन कल इन आंकड़ों में ११ प्रतिशत का इजाफा हुआ। बुधवार को देश में ३,७०,२४० सक्रिय मामले मौजूद थे।

वहीं, कल ८२,६८८ लोगों की कोविड–१६ से रिकवरी हुई थी, जिसके बाद कोरोना संक्रमण से कुल रिकवरी करने वालों की संख्या ४,१८,४३,४४६ हो गई थी। इसके अलावा ५१४ लोगों की कोरोना महामारी से मौत भी हुई थी। ऐसे में बुधवार को मरने वालों की कुल संख्या ५ लाख ०६ हजार ८७२ हो गई थी। इस दौरान दैनिक संक्रमण दर २.४५ प्रतिशत रहा। मालूम हो, आज बुधवार की तुलना में दैनिक संक्रमण दर में भी मलूमी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

हसरतों की उड़ान बेमायने

चुनाव के दौरान नेता क्या कहते हैं? और जनता क्या सोचती है तथा नेताओं की बातों व वायदों पर कितना भरोसा करती है यह अलग-अलग विषय है। जनता के बारे में एक बात साफ है कि वह सुनती सभी की है लेकिन करती अपने मन की है। जनता अपनी प्राथमिकताएं खुद तय करती है और उसी के आधार पर अपना वोट करती है। यह समझ से बाहर है कि उत्तराखंड की जनता को जो फैसला करना था वह 14 फरवरी को कर चुकी है। इस बार किसकी सरकार बनेगी इसका फैसला 10 मार्च को हो जाएगा। लेकिन सूबे के नेता अभी भी तेरी नहीं मेरी बनेगी सरकार जैसे दावे करने में जुटे हुए है, इस तरह के बयान चुनाव (मतदान) से पूर्व तो समझ में आते हैं और इसे मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कोशिश माना जा सकता है लेकिन जब फैसला ईवीएम में बंद हो चुका है तब नेताओं के बीच जो तू-तू मैं-मैं हो रही है उसका कोई औचित्य नहीं है। उत्तराखंड का चुनाव इस बार पिछले सभी चुनावों से अलग तरह का चुनाव रहा है। अब तक इस राज्य का चुनाव सिर्फ दो पार्टियों के बीच होने वाला चुनाव होता था लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी ही नहीं जिसने सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ा के अलावा बसपा ने भी 64 सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे हैं आम आदमी पार्टी और बसपा के प्रत्याशियों को भले ही कितने भी कम प्रतिशत वोट मिले हो लेकिन यह वोट प्रतिशत भाजपा या कांग्रेस के खाते में से ही कम होगा। जिसका असर चुनाव परिणाम में बहुत अधिक न सही लेकिन पड़ेगा जरूर। एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सूबे की राजनीति में पहली बार मुफ्त की सुविधाएं और सौगाते देने के वायदे आम आदमी पार्टी सहित सभी दलों द्वारा किए गए हैं। जिसमें आप के बाद कांग्रेस दूसरे नंबर पर है और भाजपा तीसरे पर। सवाल यह है कि क्या दिल्ली की तरह उत्तराखंड की जनता भी इन मुफ्त की सुविधाओं और सौगातों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें वोट दे सकती है? इसका सही जवाब भले ही 10 मार्च को ही मिले लेकिन इसका बिल्कुल भी प्रभाव चुनाव पर नहीं पड़ेगा, अगर आप यह सोच रहे हैं तो वह गलत है। इस चुनाव में एक तीसरी बात जो अन्य चुनावों से अलग थी वह है भाजपा और कांग्रेस का आंतरिक असंतोष। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार देखा गया हो, पहले भी हर एक चुनाव में बगावत और भितरघात किसी को नुकसान तो किसी को फायदा पहुंचाते रहे हैं लेकिन जितने व्यापक स्तर पर इस बार असंतोष देखा गया है वह सबसे ज्यादा है। कोरोना प्रभावित इस वर्तमान चुनाव में प्रचार के बदले हुए तरीकों का भी प्रभाव पड़ना तय है। इतने सारे नए फैक्टर के बीच संपन्न हुए राज्य के वर्तमान विधानसभा चुनाव के परिणाम भी अलग तरह के हो सकते हैं। यह चुनाव परिणाम भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों को चौका भी सकते हैं। बड़ी-बड़ी बातें और दावे करने वाले इन नेताओं को अभी धैर्य से 10 मार्च का इंतजार करना चाहिए। सरकार बनाने और मुख्यमंत्री बनने की उनकी हसरतें तभी पूरी होगी जब उनकी पार्टी 35 से अधिक सीटें जीत पाएगी। जो नेता अभी से हसरतों की उड़ान भर रहे हैं उसके अभी कोई मायने नहीं है।

विष्णु महायज्ञ के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं ने निकाली कलश शोभायात्रा

हरिद्वार (आरएनएस)। महामंडलेश्वर राजगुरु स्वामी संतोषानंद महाराज ने कहा है कि धार्मिक अनुष्ठानों से देश में नई ऊर्जा का संचार होता है और विष्णु महायज्ञ के आयोजन से जो सकारात्मक धर्म संदेश समाज में प्रसारित होता है। उससे भावी पीढ़ी में धर्म के प्रति जागृति की भावना पैदा होती है। भारतमाता पुरम स्थित एकादश रुद्र पीठ आश्रम में आयोजित विष्णु महायज्ञ से पूर्व महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं द्वारा भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई और विश्व कल्याण की कामना के साथ विष्णु महायज्ञ किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर राजगुरु संतोषानंद महाराज ने कहा कि संतों का कार्य समाज में सद्भाव का वातावरण बनाकर सन्मार्ग की प्रेरणा देना होता है और महापुरुषों ने सदैव ही समाज को नई दिशा प्रदान की है। देवभूमि हरिद्वार में आयोजित होने वाले विष्णु महायज्ञ से समस्त जगत में प्रेम एवं सद्भावना का संचार होगा और कोरोना महामारी का प्रभाव जल्द से जल्द खत्म होगा। उन्होंने कहा कि धर्म के प्रति कृतज्ञता और संस्कृति के प्रति समर्पण यही भाव संसार में सनातन धर्म को महान बनाता है। गुरु शिष्य परंपरा अनादि काल से पूरे विश्व में भारत को एक विशेष स्थान प्रदान करती है। राजगुरु संतोषानंद महाराज ने कहा कि वर्तमान में पाश्चात्य संस्कृति भारतीय संस्कृति पर हावी हो रही है। हमें अपने बच्चों को संस्कारवान बनाकर उन्हें अपनी संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति जागृत करना होगा और सनातन धर्म के प्रचार प्रसार हेतु एक दूसरे का अधिक से अधिक सहयोग करना होगा। ताकि आने वाली भावी पीढ़ी अपनी संस्कृति और धर्म की भलीभांति पहचान सके और उनमें अपने देश और धर्म के प्रति त्याग एवं समर्पण की भावना समाहित हो सके। इस अवसर पर पंकज भाटी, कविता, राज डण्डोतिया, आशा देवी, राधे श्याम शर्मा हरिमोहन शर्मा, सतीश पाराशर, आके पाण्डे, रामलखन शर्मा, संतराम भट्ट, रविन्द्र भट्ट, आनन्द सिह तोमर, सुरेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र शर्मा, जगतगुरू आनन्देश्वर महाराज, धर्मेन्द्र शर्मा, प्रदीप कुमार, अनुपमा सिंह डण्डोतिया आदि सहित कई श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे।

क्षणभंगुर काया व चंचल माया के भ्रम

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज समाज में खुद को 'खुदा' समझने की लालसा इतनी बढ़ती जा रही है कि जरा-जरा सी बात पर भी आदमी के भीतर कुंडली मार कर बैठा हुआ अहंकार का नाग फुंकार उठता है और तब आदमी चिल्ला-चिल्ला कर बोलता है 'तू जानता नहीं, मैं कौन हूं?'

यही आदमी खुद भी नहीं जानता कि वह 'कौन' है? क्षणभंगुर काया और चंचला माया के ऊपर इतराने वाला ही घमंड में चूर हो कर चिल्लाता है 'तू जानता नहीं, मैं कौन हूं?' हर आदमी जानता है कि फक्कड़ मस्त कबीर आदमी की सच्चाई बता गये हैं :-

'पानी केरा बुदबुदा, अस मानुस की जात।

देखत ही छिप जायेगा, ज्यों तारा परभात। '

इस शाश्वत सच्चाई को जानते हुए भी जाने किस बात का घमंड हम करते हैं? पूरी 'गीता' का सारतत्व यही तो है कि 'कर्ता' ईश्वर है और हम उसके हाथों में खेलने वाली कठपुतलियां मात्र हैं। आत्म-प्रशंसा की यह बीमारी आजकल इतनी बढ़ गई है कि खुद अपने 'कल' को न जानने वाला भी दूसरों को धमकाता है कि 'कल तुझे मज़ा चखाऊंगा।'

आदमी के इस आत्म-प्रशंसा वाले लाइलाज रोग के विषय में मुझे हाल ही में एक पौराणिक बोधकथा पढ़ने को मिली, जो मैं अपने विद्वान मित्रों से इसलिए साझी करना चाहता हूं कि वे भी इस रोग से दूर रह सकें :- 'महाराज ययाति अपने छोटे पुत्र का राज्याभिषेक करके कठोर तपस्या के लिए वन चले गए। उन्होंने अपने कठोर तप के बल पर अनेक वरदान प्राप्त किए, जिनमें एक यह भी था कि वे पूरे ब्रह्मांड, ब्रह्मलोक, देवलोक और मृत्युलोक इत्यादि में 'सशरीर' आवागमन कर सकते थे।

तपी ययाति भ्रमण करते हुए जब भी स्वर्गलोक आते थे, उनके पुण्यों के कारण देवराज इंद्र को उन्हें अपने पास सिंहासन पर बैठाना पड़ता था, क्योंकि इंद्र तपी ययाति को अपने से नीचा पद नहीं दे सकते थे। इस बात से देवराज इंद्र बहुत अधिक दुखी थे। वे किसी भी प्रकार से तपस्वी ययाति को स्वर्ग में आने से रोकना और बहिष्कृत करना चाहते थे। स्वर्ग के अन्य देवताओं को भी ययाति का स्वर्ग में आना अच्छा नहीं लगता था।

एक दिन जब ययाति स्वर्ग आए और इंद्र के साथ उसके सिंहासन पर बैठे, तो इंद्र एवं अन्य देवताओं ने पहले ही तपी ययाति को स्वर्ग से बहिष्कृत करने की योजना बना रखी थी। जैसे ही ययाति सिंहासन पर बैठे, देवराज इंद्र ने उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करनी शुरू कर दी और उनकी इस प्रशंसा में स्वर्ग के अन्य देवगणों ने भी हां में हां मिलाना शुरू कर दिया।

देवराज इंद्र बोले, 'महाराज! मुझे यह जानने की इच्छा है कि आपने ऐसा कौन-सा तप किया है, जिसके कारण आपको सशरीर कहीं भी आने-जाने की शक्ति मिली हुई है?' ययाति अपनी प्रशंसा सुनकर बड़े खुश हुए। वे पूरी तरह इंद्र के जाल में फंस गए और अपने गुणों का बढ़-चढ़ कर बखान करने लगे। बोले, 'मेरे जैसी तपस्या तो किसी ने कभी की ही नहीं है और मेरे जैसा कहीं भी, 'सशरीर' आने-जाने का गुण किसी को भी प्राप्त नहीं हुआ है।'

आत्म-प्रशंसा में बुरी तरह डूबे तपी ययाति बढ़-चढ़ कर अपनी आत्म-प्रशंसा करने लगे और इधर ययाति के सभी गुण उनकी 'आत्म-प्रशंसा' के कारण प्रभाव शून्य होते गए। परिणामत: वे स्वर्ग से बहिष्कृत हो गए।

इस बोधकथा का सार-तत्व यही तो है कि जब हम 'अपने मुंह मियां मिट्ठू' बनने लगते हैं, तो हमारे वे सभी गुण नष्ट हो जाते हैं, जिनके कारण हमें समाज में मान-सम्मान मिलता है। इसीलिए अंग्रेज़ी में तो प्रसिद्ध कहावत ही बन गई है कि 'सेल्फ प्रेज़ इज नो प्रेज़' अर्थात खुद की गई प्रशंसा आदमी की प्रशंसा नहीं हुआ करती। संत कबीर तो हमें जीवन का मर्म बताते हुए बड़ी ही आसान शब्दावली कह गये हैं :-

'दोस पराए देखि करि, चला हसंत हसंत।

अपने या न आवई, जिनका आदि न अंत।'

हम अपने दोषों और बुराइयों को तो कभी देखते नहीं, बस दूसरों के दोष ढूंढ़ते रहते हैं। अपनी निन्दा सुनना हमें बहुत नागवार लगता है। सच तो यह है कि प्रशंसा तो वही होती है, जो किसी की अनुपस्थिति में की जाए। आत्म-प्रशंसा तो वास्तव में अभिमान का चरम रूप ही होती है, जिसे सन्तों ने तो ज़हर ही माना है। हमारे आचार्यों ने तो विद्या प्राप्त कर लेने वाले का सबसे बड़ा गुण ही 'विनम्रता' स्वीकार करते हुए कहा है :- 'विद्या ददाति विनयं, विनयात याति पात्रताम' अर्थात् विद्या मानव को विनय देती है और विनय से आदमी में पात्रता आती है। इस का सीधा-सा अर्थ यही तो निकलता है कि हमें 'आत्म-प्रशंसा' के ज़हर से बचते हुए विनयी होना चाहिए। लोकजीवन में एक कहावत बड़ी ही प्यारी और मौजू है 'जिसने भी खाया, बेटा बनकर खाया, बाप बनकर कोई नहीं खा सका।'

आइए, इस आत्म-प्रशंसा के ज़हर से अपने को बचाएं ताकि समाज में शांति और सौहार्द बढ़े। आपकी और मेरी विनम्रता मुस्कान के फूल खिला सकती है।

न ता नशन्ति न दभाति तस्करो नासामामित्रो व्यथिरा दधर्षति।

'देवाँश्च याभिर्यजते ददाति च ज्योगित्ताभिः सचते गोपतिः सह।।

(ऋग्वेद ६-२८-३)

व्यक्ति के ज्ञान, और यज्ञ के फल की किरणों का प्रकाश कभी मिटता नहीं है। ना तो कोई चोर इसे चुरा सकता है और ना ही इसे कोई किसी प्रकार की हानि पहुंचा सकता है। इन किरणों के स्वामी का जीवन निरंतर सुंदर और आनंदमय रहता है।

The light of the rays of knowledge and the fruit of the sacrifice never fades away. Neither a thief can steal it, nor can anyone harm it in any manner. The life of the owner of these rays is continuously beautiful and blissful. (Rig Veda 6-28-3)

अच्छे हैं वे, बचे जो दाग

चेतनादित्य आलोक

चुनावी दुंदुभी के बजते ही भाई साहबों की फौज मैदान में उतर गयी। कोई जाति की मलाई निकालने में जुट गया तो कोई धर्म के बहुविध उपयोग का युद्धाभ्यास करने लगा... कोई आरक्षण छाप तेल को विजय की गारंटी मान उसकी मालिश करवाने लगा तो कोई चुनावी वैतरणी पार करने हेतु मुफ्तखोरी की तेज रफ्तार कार में सवार हो अपनी संभावित विजय का डंका पीटने लगा, लेकिन दागियों के मामले में सारे भाई साहबगण एकमत रहे।

एक भाई साहब से पूछा कि दागी प्रत्याशियों को टिकट देने में उन्हें डर नहीं लगता... कहीं चुनाव आयोग का डंडा चल गया तो। इस पर उन्होंने एक रहस्यमय मुस्कान के साथ कहा, 'चिंता मत करिए... कुछ नहीं होगा... चुनाव आयोग का हम बहुत सम्मान करते हैं...' उनको बताया गया कि 2018 एवं 2020 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये आदेशों के अनुसार सभी प्रत्याशियों के संबंध में अपनी आधिकारिक वेबसाइटों के अतिरिक्त अखबारों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी जानकारियां सार्वजनिक करनी चाहिए।

इस पर भाई साहब उत्तेजित होकर बोले, 'देखिए, आज समाज में कौन दागी नहीं है... क्या आप दागी नहीं हैं... ये दागी नहीं हैं... वो दागी नहीं हैं... सामने वाले दागी नहीं हैं... क्या हमारे विरोधी दागी नहीं हैं... अरे, उनके दल में तो सारे-के-सारे दागी ही हैं, बल्कि सच कहूं तो उनका पूरा दल ही दागी है। क्या आप नहीं जानते कि पिछले 20 वर्षों से उनका धंधा ही दूसरों को दाग लगाने और अपनों के दाग छुपाने का चल रहा है।'

एक गिलास पानी गड़पने के बाद किसी को नहीं बताने की शर्त पर मुस्कराकर भाई साहब फिर बोले, 'वैसे मैंने अपने प्रत्याशियों के दाग मिटाने का एक अचूक नुस्खा निकाल लिया है। मैंने एक ऐसे इत्र की व्यवस्था कर ली है, जिसके छिड़कते ही सारे दाग-धब्बे ऐसे गायब हो जाते हैं, जैसे कभी थे ही नहीं।'

मुझे उनकी बातों पर भरोसा नहीं हुआ तो वे एकदम से विचलित हो उठे, क्योंकि राजनीति में भरोसा न हो तो सारे किये-धरे पर पानी फिर जाता है। इसलिए भाई साहब ने तुरंत अपनी जेब से इत्र की बोतल निकाली और अपने आजू-बाजू में बैठे चेले-चपाटों पर छिड़ककर दिखाया। यह देख मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा कि उनके चेले-चपाटों के कुर्ते-पायजामों के सारे दाग-धब्बे देखते-ही-देखते गायब हो गये। हालांकि, थोड़ी देर बाद मैंने ध्यान से देखने पर पाया कि उनके कपड़ों के कुछ दाग-धब्बे पुन: उभर चुके थे, जिसके संबंध में भाई साहब ने बड़ी ही शान से सीना चौड़ा कर बताया, 'ये दाग अच्छे हैं।' मैंने कुछ न बोलने में ही अपनी भलाई समझ चुपचाप मुस्करा दिया।

कार का शीशा तोड सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पार्किंग मे खंडी कार का शीशा तोडकर वहां से लैपटॉप व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रूडकी निवासी यासीन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दून आया था तथा उसने अपनी कार राजपुर रोड पर स्थित होटल की पार्किंग में खडी की थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी कार का शीशा टूटा हुआ था तथा कार में रखे बैग गायब था। बैग में उसका लैपटॉप,पासबुक, नगदी व अन्य सामान रखा हुआ था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जमीन कब्जाने के मामले में दो पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने जमीन कब्जाने के मामले में दो लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोविन्द नगर निवासी प्रमोद कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी धोरण खास सहस्त्रधारा रोड पर जमीन है जिसकी उसने बाउन्ड्रीवाल करा रखी है। उसने बताया कि विक्की चौहान व मलिक नामक दो व्यक्तियों ने उसकी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से उसकी दीवार को क्षतिग्रस्त कर दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छात्रों को दी तकनीकी शिक्षा और स्वरोजगार की जानकारी

नई टिहरी (आरएनएस)। शिवालिक कॉलेज देहरादून ने जिला मुख्यालय और आसपास के विद्यालयों में जाकर छात्रों को तकनीकी शिक्षा और स्वरोजगार अवसरों के बारे में बताया। कॉलेज के प्लेसमेंट हेड शैलेंद्र पुंडीर, इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. विपिन उनियाल ने विद्या मंदिर, राजकीय इंटर कॉलेज मौलधार, प्रताप इंटर कॉलेज, ऑल सेंट्स कान्वेंट स्कूल, केंद्रीय विद्यालय के साथ चंबा में स्थित स्कूलों में जाकर १२वीं कक्षा के छात्रों को तकनीकी और उच्च शिक्षा से रोजगार पाने की संभावनाओं आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीटेक, एमटेक, बीऑर्क, इंजीनियरिंग और साईंस के क्षेत्र में अनेक कोर्स हैं, जिनको करने के बाद छात्र स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कहा वर्तमान शिक्षा सत्र समाप्ति की ओर है और बोर्ड परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं, ऐसे में छात्रों को अपना लक्ष्य तय करना चाहिए। उन्होंने स्कूलों में छात्रों को नशे से होने वाले नुकसान संबंधित बुकलेट भी बांटी। साथ ही छात्रों को नशा न करने और एंटी रैगिंग की शपथ भी दिलाई।

जिला स्तरीय युवा संसद 18 को

पौड़ी (आरएनएस)। नेहरु युवा केंद्र पौड़ी द्वारा राष्ट्रीय युवा संसद का जिला स्तरीय आयोजन १८ फरवरी को वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा। जिला युवा अधिकारी शैलेश भट्ट ने बताया कि पौड़ी, रुद्रप्रयाग एवं चमोली जिले की जिला युवा संसद का आयोजन वर्चुअल माध्यम से १८ फरवरी को किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी की आयु १५ से २६ वर्ष के मध्य होनी चाहिए। जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का विषय अतुल्य भारत, आत्मनिर्भर भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम दो लाख, द्वितीय को एक लाख पचास हजार, तृतीय प्रतिभागी को एक लाख का पुरुस्कार व दो सांत्वना पुरुस्कार पचास हजार रुपये दिए जाएंगे। प्रतिभागियों को ४ मिनट का समय अपने विचार रखने के लिए दिया जाएगा। हर जिले से २ प्रतिभागियों का चयन निर्धारित चयन समिति द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जायेगा। प्रथम राज्य स्तर के प्रथम तीन उत्कृष्ट प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी, भारत स्काउट एंड गाइड एवं अन्य इच्छुक युवा प्रतिभाग के लिए नेहरु युवा केंद्र से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

बसे वापस पहुंची, लिंक रुटों पर आवाजाही हुई सामान्य

पौड़ी (आरएनएस)। चुनाव ड्यूटी से जीएमओयूलि की बसों के वापस आ जाने के बाद अब विभिन्न रूटों पर आवाजाही भी बुधवार से सामान्य हो गई। जिले भर से तीन सौ से अधिक बसे पोलिंग पार्टियों की आवाजाही के लिए अधिग्रहित कर ली गई थी। जिसमें से करीब तीन दर्जन बसें ड़ी मुख्यालय जीएमओयू डिपो की भी शामिल थी। अब ये सभी बसें वापस आ गई हैं। पौड़ी मुख्यालय से करीब एक दर्जन रूटों पर बसों का संचालन होता है। इस बीच शादी –विवाह का भी सीजन था जिसके कारण लोगों को परेशानियां हुई। बसों के वापस आ जाने के बाद पौड़ी–श्रीनगर से लेकर कोटद्वार आदि मुख्य रूटों के साथ ही लिंक रूटों पर भी बसों की आवाजाही शुरू हो गई। स्टेशन प्रभारी महेश बुढ़ाकोटि ने बताया कि करीब ३६ बसें चुनाव में चली गई थी। अधिकतर बसें मंगलवार को शाम को ही वापस आ गई, जिन्हें संबधित रूटों पर भेज दिया गया। पौड़ी मुख्यालय से टंगरौली, चौबट्टा, खिर्सू, ल्वाली, खेड़ाखाल, कालेश्वर आदि रूटों पर बसों की आवाजाही शुरू हो गई है। इन रूटों पर बीते तीन–चार दिनों से बमुश्किल एक–एक सेवाएं ही संचालित हो पा रही थी। वहीं, दूसरी ओर छोटे वाहन भी वापस रूटों पर संचालित हो गए है। जिसके कारण यातायात पटरी पर आ गया है।

भारी मात्रा में चरस सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो नशा तस्करों को दबोच कर उनके पास से भारी मात्रा में चरस बरामद की है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम एसओजी चमोली को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी टीम द्वारा बताये के स्थान पर चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान एसओजी टीम को हास्पिटल तिराहा देवाल रोड के समीप दो संदिग्ध लोग आते हुए दिखायी दिये। टीम ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान टीम ने उनके पास से 1 किलो 513 ग्राम चरस बरामद की।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम यशपाल सिंह नेगी पुत्र स्व. किशन सिंह नेगी व खीमानन्द जोशी पुत्र मायाराम जोशी निवासी सुनला,थराली जनपद चमोली बताया। बताया कि वह बरामद चरस को पास के ही अलग–अलग गांवों से इकट्ठा करके चरस पीने वालों को ऊंचे दामों में बेच कर पैसे कमाने आये थे जिसे आप लोगों द्वारा पकड़ लिया गया। एसओजी टीम द्वारा उनके खिलाफ थाना थराली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करा कर उन्हे जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की अनुमानित कीमत दो लाख 42 हजार रूपये आंकी गयी है।

लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर में घुसकर लाखों के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढाकपटटी निवासी साजिद ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने रात्रि में उसके घर में घुसकर वहां से लाखों रूपये के जेवरात व 50 हजार रूपये नगद चोरी कर लिये।

चोरी का प्रयास

संवाददाता

देहरादून। मकान में चोरी का प्रयास करते समय लोगों के शोर मचाने से घटना टल गयी और चोर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जागृति विहार रायवाला निवासी शशिभूषण तिवारी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ कहीं गया था तभी चोरों ने उसके मकान का ताला तोडकर चोरी करने का प्रयास किया लेकिन तभी आसपास के लोग वहां पर एकत्रित हो गये और उनके शोर मचाने से चोर मौके से भाग गये।

नतीजे तय करेंगे प्रदेश का भविष्यःजोशी

देहरादून (संवाददाता)। प्रदेश कांग्रेस सचिव महेश जोशी ने कहा कि नतीजे प्रदेश का भविष्य तय करेगा। जहां पिछले पांच वर्षों में प्रदेश का विकास प्रभावित हुआ है वहीं सरकार अपने ही फैसले पलटने में लगी रही। जिससे प्रदेश का विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उत्साहपूर्ण ढंग से लोकतंत्र के महापर्व में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं घरों से बाहर निकल कर लंबी लंबी लाइनों में खड़ी थी जो इस ओर इशारा है कि उन्होने महंगाई के खिलाफ वोट दिया है। युवाओं का सरकार के प्रति आक्रोश दिखा, कर्मचारी वर्ग सरकार से खफा थे, हर वर्ग का सरकार के खिलाफ विरोध एंटीइंकम्बेसी साफ दिखाई दिया। जो इस ओर इशारा कर रही है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने पांच पेटी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान फव्वारा चौक पर एक कार को रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर रोक लिया और कार में सवार दो लोगो को हिरासत में ले कार की तलाशी ली तो कार से पांच पेटी शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम भूपेन्द्र सिंह पुत्र हरि सिंह निवासी अजबपुर कलां व विपुल पुत्र विजयपाल निवासी डांडीपुर मौहल्ला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

मोबाइल अन्दर पहुंचा कैसे, इसका जिम्मेदार कौन?

संवाददाता

देहरादून। मतदान से पहले जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आदेश दिये गये थे कि मतदान केन्द्र से वाहन 200 मीटर दूर रहेंगे तथा मोबाइल 100 मीटर की दूरी पर रहेंगे लेकिन मोबाइल मतदान केन्द्र के अन्दर पहुंचे और सैल्फी ली गयी तथा मुकदमे भी दर्ज हुए लेकिन मोबाइल अन्दर पहुंचा कैसे इसका जिम्मेदार कौन?

उत्तराखण्ड में चुनाव की घोषणा होने के बाद चुनाव आयोग व जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी थी तथा कई फैसले लिये गये। सार्वजनिक स्थानों खासकर सरकारी सम्पत्ति पर पोस्टर बैनर प्रतिबन्धित थे तथा इसपर कई मुकदमें भी दर्ज किये गये। आचार संहिता के उल्लंघन मामले में दो सौ से अधिक मुकदमें राज्य भर में दर्ज किये गये। जिसके बाद मतदान से पूर्व चुनाव आयोग व जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी द्वारा आदेश दिये गये कि मतदान केन्द्र से दो सौ मीटर दूर वाहन रहेंगे तथा सौ मीटर दूर मोबाइल रहेंगे। इसका मतलब मतदान केन्द्र के अन्दर मोबाइल को प्रतिबन्धित किया गया था। मतदान केन्द्र के आसपास सुरक्षा का भी पूरा प्रबंध किया गया था। उसके बाद भी मोबाइल मतदान केन्द्र के अंदर पहुंचे हैं। यह चुनाव डयूटी में तैनात अधिकारियों का कहना है और उन्होंने जनपद में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया है। जनपद में चार लोगों के खिलाफ मतदान करते समय सैल्फी लेने व दूसरे प्रत्याशी का प्रचार करने तथा अपना मत कहां दिया उसको सार्वजनिक करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जब मतदान केन्द्र से मोबाइल सौ मीटर की दूरी पर रहने के आदेश हुए थे तो फिर वह मतदान केन्द्र के अन्दर कैसे आये। अब सोचने वाली बात है कि जो चीज प्रतिबन्धित की गयी थी वह वहां पहुंची कैसे? इसका जिम्मेदार किसे माना जाये। जिन लोगों ने सैल्फी ली उनको तो अधिकारियों ने गलत साबित करते हुए उनके खिलाफ मुकदमें दर्ज करा दिये लेकिन मोबाइल अन्दर कैसे आया उसका जिम्मेदार किसे माना जाये। इसके बारे में अभी ना तो चुनाव आयोग ने ही जनता को बताया है और ना ही जिला निर्वाचन अधिकारी ही स्पष्ट कर सके हैं कि मोबाइल अन्दर आये तो इसका जिम्मेदार फलां अधिकारी है तथा उसके खिलाफ भी कार्यवाही की गयी है। यह बात अभी तक स्पष्ट नहीं हो पायी है।

तेज दिमाग के लिए बच्चों क ो खिलाएं ये फूड्स

सही भोजन आपकी याददाश्त, एकाग्रता और मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में आपकी मदद कर सकता है. मस्तिष्क, शरीर के बाकी हिस्सों की तरह, हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन से पोषक तत्वों को अवशोषित करता है. इसलिए, बच्चों के लिए अधिक पौष्टिक भोजन का सेवन करना बहुत महत्वपूर्ण है. आइए जानें किन आहार को डाइट में शामिल कर सकते हैं.

अंडे

अपने बच्चे की नाश्ते की प्लेट में कार्ब्स, प्रोटीन और थोड़ी मात्रा में हेल्थी फैट देने से उन्हें पूरे दिन ऊर्जावान रहने में मदद मिलती है. अंडे में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है. इसके अलावा इसमें कोलीन होता है. ये स्मृति बढ़ने में सहायता करता है.

ऑयली फिश

ऑयली फिश में ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है. ये मस्तिष्क के विकास और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है. ओमेगा -3 फैटी एसिड कोशिका के निर्माण के लिए आवश्यक होते हैं. सैल्मन, मैकेरल, ताज़ी ट्यूना, ट्राउट, सार्डिन और हेरिंग जैसी मछलियों में ओमेगा -3 फैटी एसिड अधिक होता है और इसका सेवन सप्ताह में एक बार कर सकते हैं.

ओट्स/ओटमील

दलिया और ओट्स मस्तिष्क के लिए ऊर्जा के अच्छे स्रोत होते हैं. इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो बच्चों को भरा हुआ महसूस करने में मदद करता है और उन्हें जंक फूड खाने से रोकता है. ये विटामिन ई, बी कॉम्प्लेक्स और जिंक से भी भरपूर होते हैं, जो बच्चों के दिमाग को तेज करने में मदद करते हैं. किसी भी टॉपिंग जैसे सेब, केला, ब्लूबेरी और बादाम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

दूध, दही और पनीर

दूध, दही और पनीर में प्रोटीन और बी विटामिन की मात्रा अधिक होती है, जो मस्तिष्क के टिश्यू, न्यूरोट्रांसमीटर और एंजाइम के विकास के लिए आवश्यक हैं, ये सभी मस्तिष्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इन फूड्स में कैल्शियम भी अधिक होता है, जो मजबूत और स्वस्थ दांतों और हड्डियों के विकास के लिए आवश्यक हैं. बच्चों में कैल्शियम की आवश्यकता उनकी उम्र के आधार पर अलग-अलग होती है, लेकिन उन्हें हर दिन दो से तीन कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए.

मिक्सी में भूल से भी न पीसें ये चीजें, हो सकती हैं खराब

रसोई में कुछ अप्लाइंसेस ऐसे होते है जिनकी मदद से खाना बनाना काफी आसान हो जाता है। ऐसा ही एक अप्लाइंस है मिक्सी जिसमें कई तरह की चीजों को कुछ सेकंड में ही अच्छे से पीसा जा सकता है। हालांकि कुछ चीजें ऐसी भी हैं जिन्हें मिक्सी में पीसने से मिक्सी के जल्द खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। आइए आज ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं।

साबूत खड़े मसाले

साबूत खड़े मसालों को कभी भी मिक्सी में नहीं पीसना चाहिए। दरअसल, मिक्सी के ब्लेड्स इतने तेज और मजबूत नहीं होते जिससे वे खड़े मसालों को अच्छी तरह पीस सके। अगर मसालों का पाउडर बन भी जाता है तो वह इतना महीन नहीं बन पाता। इसलिए बेहतर है कि आप साबूत खड़े मसालों को मिक्सी की बजाय स्पाइस ब्लेंडर में पीसें। स्पाइस ब्लेंडर खासतौर से साबूत मसालों को पीसने के लिए बनाए जाते हैं।

कॉफी बीन्स

कॉफी बीन्स को भी मिक्सी में नहीं पीसना चाहिए क्योंकि ये इसके ब्लेड्स में फंसकर इसे जाम कर सकते हैं। अगर कॉफी बीन्स पिस भी जाते हैं तो ये काफी दरदरे टेक्सचर के होंगे। बेहतर होगा कि आप कॉफी बीन्स को पीसने के लिए कॉफी ग्राइंडर का इस्तेमाल करें। इसमें काफी अच्छे से कॉफी बीन्स पिसते हैं। हालांकि अगर आपके पास कॉफी बीन्स नहीं हैं तो सामान्य मिक्सी में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में इन्हें पीसें।

बहुत ज्यादा ठंडी चीजें

कई लोग स्मूदी आदि बनाते समय फ्रोजन फ्रूट्स या फिर बर्फ को मिक्सी में डाल देते हैं, लेकिन आप ऐसा करने से बचें। ये चीजें मिक्सी के ब्लेड्स को तोड़ सकती हैं और इसके कंटेनर को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप फ्रोजन फ्रूट्स को पहले थोड़ी देर के लिए कमरे के तापमान पर रख दें और फिर इन्हें मिक्सी में डालें। वहीं बर्फ को बिल्कुल भी मिक्सी में न डालें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

स्ट्रॉबेरी को इन तरीकों से करें अपने स्किन केयर रुटीन में शामिल, मिलेंगे कई फायदे

जिस तरह से स्ट्रॉबेरी का सेवन स्वास्थ्य को कई तरह लाभ प्रदान कर सकता है, ठीक उसी तरह से इसका इस्तेमाल त्वचा के लिए भी फायदेमंद हैं। स्ट्रॉबेरी कई विटामिन्स, एंटी-ऑक्सिडेंट और आवश्यक फैटी एसिड से भरपूर होता है, इसलिए यह त्वचा को निखारने के साथ पोषित करने का काम कर सकता है। आइए आज आपको बताते हैं कि स्ट्रॉबेरी को किन-किन तरीकों से अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करके आप इसका भरपूर फायदा पा सकते हैं।

फेस टोनर के तौर पर करें इस्तेमाल

त्वचा को हाइड्रेटेड और ताजा रखने के लिए स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल बतौर फेस टोनर किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले दो से तीन स्ट्रॉबेरी को ब्लेंडर में ब्लेंड कर लें, फिर इस मिश्रण का जूस छानकर किसी स्प्रे बोतल में डालें। अब इस बोतल में ठंडा गुलाब जल मिलाएं। जरूरत पड़ने पर इस मिश्रण को अपने चेहरे पर छिड़कें और 15 मिनट बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धोकर मॉइश्चराइजर लगा लें।

स्ट्रॉबेरी से मॉइश्चर बनाकर करें इस्तेमाल

इसके लिए सबसे पहले एक बोतल में तीन चम्मच शुद्ध गुलाब जल, एक चम्मच ग्लिसरीन और दो चम्मच स्ट्रॉबेरी का गूदा डालें, फिर बोतल को तब तक हिलाएं जब तक कि सभी सामग्रियां आपस में अच्छे मिल न जाएं। अब इसमें से थोड़ा-सा मिश्रण लेकर रोजाना अपनी त्वचा पर मॉइश्चर के तौर पर लगाएं। अगर आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट और मॉश्चराइज रखना चाहते हैं तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

स्ट्रॉबेरी से बनाएं स्किन स्क्रब

स्क्रब त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद करता है और इसे बनाने के लिए आप स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच स्ट्रॉबेरी के गूदे के साथ एक बड़ी चम्मच ब्राउन शुगर या सफेद चीनी मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे, हाथों और पैरों पर सर्कुलर मोशन में धीरे-धीरे से कुछ मिनट रगड़ें और अंत में इन सभी को साफ पानी से धो लें।

आप चाहें तो क्लींजर के तौर पर स्ट्रॉबेरी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल को मिनरल वॉटर से भरकर इसमें स्ट्रॉबेरी का जूस मिलाएं, फिर इससे चेहरे को गीला करें। इसके बाद इसे करीब 20-30 सेकंड तक चेहरे पर ऐसे ही रहने दें, फिर टिशू पेपर से चेहरे को साफ कर लें। इससे आपका चेहरा खिला-खिला नजर आएगा। (आरएनएस)

2021 के बाद 2022 मेरे लिए कई मौके लेकर आया है:वामिका गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी की कुछ दिलचस्प फिल्में और ओटीटी परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं जैसे विशाल भारद्वाज की खुफिया, प्राइम वीडियो का मॉडर्न लव का आधिकारिक हिंदी रूपांतरण, नेटफ्लिक्स पर अतुल मोंगिया की वेब श्रृंखला माई और विक्रमादित्य मोटवानी की स्टारडस्ट।

एक व्यस्त वर्ष के बारे में बात करते हुए, वामीका कहती हैं, 2021 मेरे लिए खास वर्ष रहा है। जहां मेरा आधिकारिक बॉलीवुड डेब्यू कबीर खान की 83 के साथ हुआ, वहीं मैं डिजिटल मोर्चे पर हॉटस्टार के ग्रहण में भी शामिल थी, साथ ही साथ पंजाबी सिनेमा में भी मेरा काम जारी रहा।

लेकिन इस साल, मेरी और भी बड़ी और बेहतर योजनाएँ हैं! हिंदी फिल्म उद्योग के सबसे सम्मानित और चर्चित नामों से जुड़ी कुछ बड़ी फिल्मों और परियोजनाओं में काम करने का अवसर मिलना वास्तव में एक आशीर्वाद है। वामिका ने कहा कि वह हमेशा विशाल और विक्रम दोनों के काम की प्रशंसक रही है और उनके साथ इतने बड़े पैमाने पर सहयोग करने का मौका मिलने की भावना कुछ ऐसी है जिसे मैं बयां नहीं कर सकती हूं।

शब्द सामर्थ्य -125

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

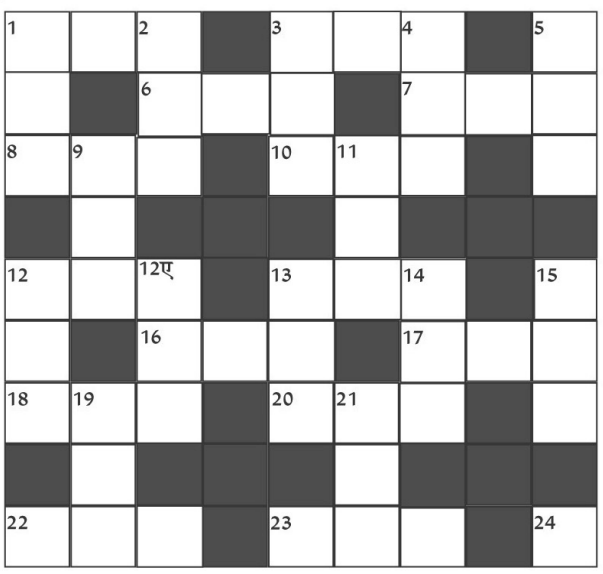

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 124 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

मार्वल स्टार एंथोनी मैकी के साथ हॉलीवुड फिल्म एंडिंग थिंग्स में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि मां बनने के बाद प्रियंका ने फिल्मों से कुछ समय का ब्रेक लेने का फैसला किया है, लेकिन अब खबर आ रही है कि वह हॉलीवुड एक्शन फिल्म एंडिंग थिंग्स का हिस्सा बन गई हैं। खास बात यह है कि इसमें वह मार्वल सीरीज फेम स्टार एंथोनी मैकी के साथ नजर आएंगी।

पिछली बार हॉलीवुड फिल्म द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स में नजर आईं प्रियंका जल्द ही एक दूसरी हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाली हैं। रिपोर्टे के मुताबिक, एक्शन फिल्म एंडिंग थिंग्स में एंथोनी मैकी के साथ प्रियंका को साइन कर लिया गया है। एंडिंग थिंग्स में प्रियंका और एंथोनी के किरदारों की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। प्रियंका ने अभी इस खबर को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उम्मीद है जल्द ही वह इसका आधिकारिक ऐलान करेंगी। एंथोनी मैकी हॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता हैं। उन्हें कैप्टन अमेरिका- द विंटर सोल्जर, एंट-मैन, कैप्टन अमेरिका- सिविल वॉर, एवेंजर्स- इन्फिनिटी वॉर और एवेंजर्स- एंडगेम सहित मार्वल्स की कई फिल्मों में सैम विल्सन या सुपरहीरो फाल्कन की भूमिका में देखा जा चुका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह फिल्म 1994 की एक्शन-कॉमेडी ट्रू लाइज से प्रेरित है, जिसे जेम्स कैमरून ने निर्देशित किया था। फिल्म एक ऐसी महिला के बारे में है, जो अपनी नौकरी और व्यक्तिगत संबंधों के साथ संघर्ष करती है। महिला हत्या के व्यवसाय से बाहर निकलना चाहती है, वह अपने बिजनेस पार्टनर के साथ व्यक्तिगत संबंधों को भी खत्म करना चाहती है। हालांकि, बाद में उसे अपने फैसले पर अफसोस होता है। प्रियंका पिछली बार हॉलीवुड फिल्म द मैट्रिक्स रीसरेक्शंस में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने सती की भूमिका निभाई और हमेशा की तरह उन्हें दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। यह फिल्म 22 दिसंबर को रिलीज हुई थी। प्रियंका ने अमेरिकी टीवी सीरीज चांटिको से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था। इस थ्रिलर सीरीज में वह एफबीआई एजेंट एलेक्स पैरिश की मुख्य भूमिका में नजर आईं और एक अमेरिकी सीरीज की मुख्य भूमिका में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। (आरएनएस)

मेकर्स जल्द करेंगे पवन कल्याण की 'भीमला नायक' की रिलीज डेट

पवन कल्याण की आगामी फिल्म 'भीमला नायक' के निर्माता, जिन्होंने महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए दो रिलीज की तारीखों की घोषणा की थी, जल्द ही अंतिम तारीख की घोषणा करने वाले हैं।

जैसा कि प्रतीत होता है, पवन कल्याण और राणा की 'भीमला नायक' के निर्माताओं ने प्रारंभिक रिलीज़ योजना पर टिके रहने का फैसला किया है, जो कि 25 फरवरी है। एक आधिकारिक घोषणा जल्द ही इसकी पुष्टि करने के लिए है।

इससे पहले, निर्माताओं ने घोषणा की थी कि वे संभावित रिलीज की तारीखों के रूप में 15 फरवरी और 1 अप्रैल को महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए फिल्म को सबसे अच्छे दिन पर रिलीज करेंगे। अफवाहों के मद्देनजर कि आंध्र प्रदेश सरकार लचीली सिनेमा टिकट मूल्य निर्धारण की अनुमति देने पर विचार कर रही है, कई तेलुगु दिग्गज रिलीज की तैयारी कर रहे हैं।

'भीमला नायक' में पवन कल्याण को एक पुलिस वाले के रूप में देखा जाएगा, जबकि राणा दग्गुबाती ने मल्टीस्टारर में उनके प्रतिद्वंद्वी की भूमिका निभाई है। नित्या मेनन और संयुक्ता मेनन फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं।

मलयालम फिल्म 'अय्यप्पनम कोशियुम' की मूल रीमेक होने के नाते, 'भीमला नायक' सागर के चंद्र द्वारा निर्देशित है, जबकि पटकथा और संवाद त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा लिखे गए हैं।(आरएनएस)

रफ्तार, शक्ति मोहन द ग्रेट इंडियन मर्डर के नए ट्रैक पर कर रहे हैं साथ काम

रैपर रफ़्तार और डांसर शक्ति मोहन ने थ्रिलर वेब-सीरीज द ग्रेट इंडियन मर्डर के प्रमोशनल ट्रैक रास्कला में अभिनय किया है। रफ़्तार ने कहा कि रास्कला एक ऐसा गीत है जो एक गहन श्रृंखला में जबरदस्त ऊर्जा लाने की कोशिश करता है। मैंने रास्कला पर दर्शन और उमंग के साथ काम किया और मैंने इसमें तमिल रैप किया है। एक मलयाली होने के नाते, मैं उत्साहित था क्योंकि मैं एक ही समय में हिंदी और फिर तमिल में कुछ करने में सक्षम था। मैंने इसके हिंदी रैप भागों के साथ-साथ तमिल रैप भाग भी लिखा था।

मशहूर डांसर और कोरियोग्राफर शक्ति और रैपर रफ्तार की विशेषता वाले इस मजेदार, आकर्षक डांस नंबर को फिरोज खान ने कोरियोग्राफ किया है। दर्शन-उमंग द्वारा रचित इस गाने को उमंग दोशी, अनुषा मणि और रफ्तार ने गाया है।

थ्रिलर उस्ताद तिग्मांशु धूलिया द्वारा निर्देशित, द ग्रेट इंडियन मर्डर सीजी के गृह मंत्री विक्की राय और छह अलौकिक संदिग्धों के एक समूह की निर्मम हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है। अजय देवगन और प्रीति सिन्हा द्वारा अपने बैनर एडीएफ और आरएलई मीडिया के तहत निर्मित शो में ऋचा चड्ढा, प्रतीक गांधी, शशांक अरोड़ा, आशुतोष राणा, रघुबीर यादव, जतिन गोस्वामी, शारिब हाशमी, पाओली डैम और अमेय वाघ जैसे कलाकार हैं। द ग्रेट इंडियन मर्डर विशेष रूप से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बंगाली में उपलब्ध है।

पत्रकार जिग्ना वोरा की भूमिका निभाएंगी करिश्मा तन्ना

स्कैम 1992 की कामयाबी के बाद फिल्ममेकर हंसल मेहता की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ। इस सीरीज का निर्देशन उन्होंने ही किया था। सीरीज के जरिए उन्होंने डिजिटल जगत के दर्शकों का ध्यान खींचा था। अब उन्होंने एक वेब सीरीज स्कूप के लिए नेटफ्लिक्स के साथ हाथ मिलाया है। इस सीरीज में अभिनेत्री करिश्मा तन्ना लीड रोल में नजर आएंगी। हंसल ने सोशल मीडिया पर सीरीज का ऐलान किया है।

वेब सीरीज स्कूप पत्रकार जिग्ना वोरा की बायोग्राफिकल बुक बिहाइंड द बार्स इन बायकुला: माई डेज इन प्रिजन से प्रेरित है। अभी इस सीरीज के कलाकारों के नाम की घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीरीज में करिश्मा मुख्य भूमिका निभाएंगी। उन्हें पत्रतकार जिग्ना के किरदार में देखा जाएगा। इस शो की शूटिंग शुरू हो चुकी है और वह जल्द इस सीरीज से जुड़ने वाली हैं।

हंसल ने जब जिग्ना की बायोग्राफिकल बुक पढ़ी, तो उनके दिमाग में इस प्रोजेक्ट को बनाने का ख्याल आया। नेटफ्लिक्स पर इस सीरीज का प्रसारण होगा। यह सीरीज क्राइम रिपोर्टर जागृति पाठक की जिंदगी के हर हिस्से को दर्शाती है। जागृति पर उनके ही साथी पत्रकार जयदेब सेन की हत्या का आरोप लगाया जाता है। इसके बाद उसे जेल हो जाता है। जेल में वह उन तमाम लोगों से मिलती हैं, जिनके बारे में वह कभी रिपोर्ट्स तैयार करती थीं।

जिग्ना का नाम मुंबई के क्राइम जर्नलिस्ट के मर्डर केस में आया था। इस मामले में उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। इस हत्याकांड के तार अंडरवर्ल्ड से भी जुड़े थे। सात साल बाद उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था।

करिश्मा और वरुण 5 फरवरी को शादी के बंधन में बंधे हैं। करिश्मा ने अपनी शादी की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करने में देर नहीं लगाई। हल्दी से लेकर मेहंदी तक हर समारोह की तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वरुण और करिश्मा की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। करिश्मा आखिरी बार एमएक्स प्लेयर पर आई वेब सीरीज बुलेट्स में नजर आई थीं। स्कूप उनका दूसरा ओटीटी प्रोजेक्ट होगा।(आरएनएस)

आम्रपाली गुप्ता ने नागिन 6 के लिए एकता कपूर को धन्यवाद दिया

अभिनेत्री आम्रपाली गुप्ता को ऐसे किरदार निभाने में मजा आता है जो या तो मजाकिया हों या ग्रे। वह नागिन 6 शो में एक प्रमुख भूमिका निभाती नजर आएंगी।

अभिनेत्री को नागिन 6 के एक स्टैंडअलोन प्रचार एपिसोड में देखा गया था, उन्होंने नागिन 6 के प्रचार एपिसोड में मिली प्रशंसा के बारे में बात की।

मैं हमेशा ऐसे पात्रों की तलाश करता हूं जो शो में मनोरंजक हों और जिनके बारे में बात की जाए। मैं अपने वास्तविक जीवन में भी बहुत मनोरंजक हूं। मुझे खुद को किसी ऐसी चीज में शामिल करने में मजा आता है जो लोगों को हंसाती है या पागल करती है। इसी तरह, नागिन 6 प्रचार एपिसोड में मेरी उपस्थिति को दर्शकों ने खूब सराहा और यह बहुत ही रोचक और चुनौतीपूर्ण था। मुझे एक कलाकार के रूप में प्रयोग करना पसंद था। आम्रपाली मेकर्स और टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर की शुक्रगुजार हैं। वह आगे कहती हैं कि मुझे खुशी है कि एकता जी ने मुझे इस तरह की एक प्रसिद्ध श्रृंखला का हिस्सा बनने का मौका दिया। मैं उनके और अधिक शो में काम करना चाहती हूं। अभिनेत्री आम्रपाली गुप्ता को आखिरी बार टीवी शो तुझसे है राब्ता में ममता वर्मा के रूप में देखा गया था, और वह कुबूल है, तीन बहुरियां, इश्कबाज जैसे शो में अपने अभिनय के लिए लोकप्रिय हैं।

रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा की रिलीज डेट का ऐलान

रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा काफी समय से सुर्खियों में है। इसमें उन्हें एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। पिछले काफी समय से दर्शक यह जानने को बेताब थे फिल्म रिलीज कब होगी। अब आखिरकार दर्शकों का यह इंतजार खत्म हो गया है। दरअसल, फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है और यह भी साफ हो गया है कि फिल्म किस प्लेटफॉर्म पर आएगी।

यशराज बैनर तले बनी शमशेरा दर्शकों के बीच दस्तक देने के लिए तैयार है। प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर आज इसका टीजर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। नई जानकारी के मुताबिक, फिल्म इस साल 22 जुलाई को रिलीज होगी, जबकि पहले खबर थी कि शमशेरा 18 मार्च को पर्दे पर आएगी। अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। साथ ही यह भी बताया गया है कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पिछले साल 28 सितंबर को रणबीर के जन्मदिन पर यशराज फिल्म्स ने एक पोस्टर साझा किया था, जिसमें एक्टर के लंबे बाल और आंखों में गुस्सा नजर आ रहा था। यशराज ने रणबीर का नया लुक शेयर कर लिखा था, लेजेंड अपनी छाप छोड़ेंगे। उनके इस लुक ने फिल्म को लेकर और उत्सुकता जगा दी थी। फिल्म से रिलीज हुआ रणबीर का फर्स्ट लुक भी दर्शकों को बेहद पसंद आया था। इस फिल्म में रणबीर दोहरी भूमिका में नजर आएंगे।

यशराज फिल्म्स के साथ रणबीर पहले भी काम कर चुके हैं। इस बैनर के साथ शमशेरा रणबीर की तीसरी फिल्म है। इससे पहले वह फिल्म बचना ऐ हसीनों और फिल्म रॉकेट सिंह: सेल्समैन ऑफ द ईयर के लिए यशराज के साथ जुड़ चुके हैं।

फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। वाणी कपूर और संजय दत्त भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। वाणी एक नर्तकी की भूमिका में हैं, जो शमशेरा की प्रेमिका है और संजय दत्त इसमें विलेन बने हैं। इस फिल्म का निर्देशन करण मल्होत्रा ने किया है। यह फिल्म 1800 के दशक की एक डकैत जनजाति के बारे में है, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ अपने अधिकारों और स्वतंत्रता की लड़ाई में हिस्सा लिया था।

ब्रह्मास्त्र रणबीर की आगामी बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में रणबीर की जोड़ी आलिया भट्ट के साथ बनी है। अमिताभ बच्चन और मौनी रॉय भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। निर्देशक लव रंजन की फिल्म में भी रणबीर मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर, रणबीर की जोड़ीदार बनी हैं। रणबीर गैंगस्टर ड्रामा फिल्म एनिमल से भी जुड़े हैं। इसमें उनकी जोड़ी परिणीति चोपड़ा के साथ बनी है। संदीप सिंह वांगा इस फिल्म के निर्देशक हैं।

यूक्रेन विवाद पर भारत को करनी चाहिए पहल

वेदप्रताप वैदिक

यूक्रेन को लेकर दुनिया की पांचों महाशक्तियां आज जितनी परेशान दिख रही हैं, उतनी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कभी नहीं रहीं। 1962 के क्यूबा-कांड के दौरान पूरा मामला अमेरिका और सोवियत रूस के बीच था, लेकिन यूक्रेन विवाद पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी एक तरफ हैं तो रूस और चीन दूसरी तरफ। यदि यूक्रेन को लेकर युद्ध छिड़ा तो वह द्वितीय विश्वयुद्ध से भी अधिक खतरनाक सिद्ध हो सकता है। अमेरिकी सैन्य गठबंधन नाटो के सदस्य देश सारे यूरोप को युद्धभूमि बना देंगे और कोई आश्चर्य नहीं कि रूस के साथी चीन को घेरने के लिए 'क्वाड' नामक चौगुटे के चार राष्ट्र- अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी सारे दक्षिण-पूर्व एशिया में खलबली मचा दें।

चुप नहीं बैठेगा चीन

ऐसे हालात में भारत की स्थिति काफी विषम हो सकती है, भले ही यूक्रेन विवाद से उसका सीधे कुछ लेना-देना नहीं है। गलवान घाटी में हुई भारत-चीन मुठभेड़ के कारण चीन से आजकल भारत के संबंध बिगड़े हुए हैं। भारत ने चीन में हो रहे ओलिंपिक्स का कूटनीतिक बहिष्कार भी किया हुआ है, लेकिन 20 राष्ट्रों के नेताओं के साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन पेइचिंग के ओलिंपिक समारोह में शामिल हुए और उनकी चीनी राष्ट्रपति शी चिन फिंग से लंबी मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने 5300 शब्दों का संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया। इस वक्तव्य का यह वाक्य गौर करने लायक है, 'दोनों राष्ट्रों के बीच मित्रता असीम है। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिसमें हमारी मित्रता न हो सके।' यानी अगर यूरोप में युद्ध हुआ तो चीन चुप नहीं बैठेगा। रूस चाहेगा कि वह अमेरिका के खिलाफ अपने क्षेत्र में भी मोर्चा खोल दे।

जरा याद करें, माओ त्से तुंग के चीन को और ख्रुश्चेव-बुल्गानिन के रूस को! दोनों एक-दूसरे को बुरी तरह से कोसा करते थे, लेकिन अब अमेरिका के कारण दोनों एक-दूसरे के नजदीक आते जा रहे हैं। यदि यूक्रेन के मामले में चीन का रवैया रूस-समर्थक है तो ताइवान के मामले में रूस का रवैया चीन-समर्थक। चीन ताइवान पर अपना कब्जा जमाना चाहता है और रूस यूक्रेन पर! यूक्रेन के सवाल पर चीन संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस का खुलकर समर्थन करता रहा है।

रूस-चीन संयुक्त वक्तव्य में भारत-चीन के सीमा विवाद का कोई जिक्र नहीं है, जबकि 'ब्रिक्स' और 'रिक' जैसे संगठनों में इन तीन देशों की सदस्यता है। पूतिन की चीन-यात्रा के बाद चीन-पाक संयुक्त वक्तव्य पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के रूसी दूतावास ने स्पष्ट किया कि कश्मीर को रूस भारत का आंतरिक मामला समझता है। इससे यह भी जाहिर होता है कि चीन के दबाव में आकर रूस भारतीय हितों के विरुद्ध नहीं जाएगा।

शी चिन फिंग और इमरान खान की वार्ता के बाद जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ, उसमें घुमा-फिराकर कश्मीर का मामला जरूर उठाया गया। लेकिन अमेरिका के साथ भारत के संबंध आजकल लगभग उतने ही घनिष्ठ हो गए हैं, जितने नेहरू-इंदिरा काल में सोवियत संघ के साथ हो गए थे।

अब जबकि रूस और अमेरिका के बीच काफी गर्मागर्मी का माहौल बन गया है, भारत ने लगभग चुप्पी-सी साध रखी है। न वह रूस के पक्ष में बोल रहा है और न ही अमेरिका के! भारत और यूक्रेन के संबंध इतने घनिष्ठ नहीं हैं कि उसे लेकर वह रूस या अमेरिका का समर्थन करने के लिए मजबूर हो जाए। यद्यपि यूक्रेन के साथ भारत का लगभग 3 बिलियन डॉलर का व्यापार है और भारत के 18000 छात्र यूक्रेन में पढ़ रहे हैं, लेकिन उसके साथ भारत का कोई सामरिक लेन-देन नहीं है।

भारत और यूक्रेन के आपसी सांस्कृतिक संबंध सोवियत-काल से चले आ रहे हैं। लेकिन भारत यदि रूसी रवैए का समर्थन करता है तो उसे यूक्रेन की और इससे भी ज्यादा अमेरिका की नाराजी मोल लेनी होगी। रूस पर आरोप है कि वह यूक्रेन पर कब्जा करना चाहता है। पूतिन ने पिछले दिनों अपने लेख में दावा किया था कि रूस और यूक्रेन में कोई फर्क नहीं है। दोनों एक ही हैं। बहुत हद तक यह सही भी है। यूक्रेन और रूस सैकड़ों वर्षों से एक-दूसरे के होकर रहे हैं। यूक्रेन में जन्मे निकिता ख्रुश्चेव सोवियत संघ के सर्वोच्च शक्तिशाली नेता थे, जैसे कि जॉर्जिया में जन्मे जोसेफ स्तालिन भी लेनिन के बाद सर्वशक्तिशाली सोवियत नेता थे। आज ये दोनों सोवियत राज्य 1991 में आजाद होने के बाद रूस से अलग अपनी पहचान बनाने में जुटे हैं। सोवियत रूस के 10 राज्य पहले ही नाटो में शामिल हो चुके हैं। पूतिन का कहना है कि उन्हें पूरा-पूरा शक है कि अमेरिका यूक्रेन और जॉर्जिया को भी नाटो में शामिल करने का षड़यंत्र रच रहा है। रूस ने अमेरिका और नाटो से कहा है कि वह यूक्रेन की सीमाओं से अपनी एक लाख से अधिक की फौज तभी हटाएगा, जब वे स्पष्ट घोषणा करें कि यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं किया जाएगा। यूक्रेन तो रूस के बाद क्षेत्रफल की दृष्टि से यूरोप का सबसे बड़ा राष्ट्र है। 4 करोड़ की आबादी वाला यूक्रेन युद्ध का अखाड़ा न बन जाए, इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और पूतिन में सीधी बातचीत हुई है।

फ्रांस और जर्मनी भी चिंतित हैं। युद्ध हुआ तो यूरोप का लगभग 40 प्रतिशत ईंधन, जो रूस से आता है, मिलना बंद हो जाएगा। इसके अलावा परमाणु प्रक्षेपास्त्रों से लैस रूस यूरोप में तबाही मचा सकता है। इसीलिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों मॉस्को और कीव गए थे और जर्मनी के चांसलर ओलफ शोल्ज वॉशिंग्टन।

नेहरू जैसी भूमिका

वैसे लगता नहीं है कि यूक्रेन को लेकर तीसरा विश्व युद्ध छिड़ेगा, लेकिन भारत चाहे तो यूरोप में वही भूमिका अदा कर सकता है, जो 1953 में नेहरू के भारत ने कोरिया-युद्ध के समय अदा की थी। आज भारत पहले से अधिक शक्तिशाली है। रूस और अमेरिका, दोनों से उसके संबंध उत्तम हैं। दोनों महाशक्तियों के साथ भारत-जैसे संबंध दुनिया के किसी भी देश के नहीं हैं। यदि भारत पहल करे तो वह दोनों पक्षों को सहज स्वीकार होगी।

कंगना रनौत ने शेयर किया एकता कपूर के रियलिटी शो लॉक अप का फर्स्ट लुक

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एकता कपूर के नए रियलिटी शो लॉक अप का फर्स्ट लुक साझा किया। शो की होस्ट कंगना हैं।

उन्होंने लिखा, मेरे सामने अब सबको घुटने टेकने पड़ेंगे ! इस जेल में होगा अत्याचारी खेल। कल टीजर होगा आउट। हैशटैग लॉकअप स्ट्रीमिंग फ्री 27 फरवरी को ऑल्टबाला जी और एमएक्स प्लेयर पर।

शो के पहले पोस्टर में कंगना को जेल में पोज देते हुए दिखाया गया है, जिसमें बैकग्राउंड में पुलिस वाले हैं।

शो में 16 सेलेब्रिटीज होंगे। इन कंटेस्टेंट्स को जेल के अंदर बंद कर दिया जाएगा और रियलिटी शो में जमानत का कॉन्सेप्ट भी होगा।

कुछ नामों में दिव्यंका त्रिपाठी, मानव गोहिल, हिना खान, श्वेता तिवारी, सुरभि ज्योति, उर्फी जावेद, आदित्य सिंह राजपूत, मल्लिका शेरावत, अनुष्का सेन, अवनीत कौर, चेतन भगत, हर्ष बेनीवाल, शहनाज गिल, वीर दास, पूनम पांडे और अन्य शामिल हैं। लॉक अप 27 फरवरी से ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीमिंग होगी।

सू- दोकू क्र.125

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.124का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

काबू में रहे महंगाई

देश की छह सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी ने नरम रुख दिखाते हुए चौथी तिमाही के लिये मौद्रिक नीति में कोई बदलाव नहीं किया है। समिति के सदस्यों ने लगातार दसवीं बार रेपो दरों में किसी प्रकार का बदलाव न करने के पक्ष में मत दिया।

दरअसल, केंद्रीय बैंक का दरों में बदलाव न करने के पीछे मकसद यही है कि कोरोना संकट से उबर रही अर्थव्यवस्था को संबल दिया जा सके। कयास लगाये जा रहे थे कि नीतियों को सामान्य बनाने के लिये रिवर्स रेपो दर में वृद्धि की जा सकती है। दरअसल, एमपीसी ने चिंता जतायी थी कि ओमीक्रोन संक्रमण से उत्पन्न स्थितियों में आर्थिक गतिविधियों में शिथिलता आई है, जिसके चलते अर्थव्यवस्था को गति देने वाले मुख्य क्षेत्रों मसलन विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, इस्पात की खपत व वाहनों की बिक्री शिथिल बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर बजट पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण में जीडीपी में आठ से लेकर साढ़े आठ फीसदी तक की वृद्धि का आकलन था, लेकिन एमपीसी का आगामी वित्तीय वर्ष के लिये सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत वृद्धि रहने का अनुमान है। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने उतरते कोरोना संकट, मुद्रास्फीति में तेजी व विश्व बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच अर्थव्यवस्था को गति देने वाली नीतियों को ही संबल दिया है। दरअसल, केंद्रीय

बैंक आगामी वित्तीय वर्ष के लिये केंद्रीय बजट में सरकार की नीतियों को संबल देने की कोशिश में है। सरकार ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये बजट में राजस्व व्यय में रिकॉर्ड वृद्धि की है। इसकी मूल वजह यह है कि देश में उपभोक्ता मांग में कमजोरी है जिसके चलते खपत कम होने के कारण निजी क्षेत्र की तरफ से अधिक निवेश नहीं किया जा रहा है। सरकार सोचती है कि यदि ज्यादा मुद्रा चलन में आयेगी तो आर्थिक वृद्धि रफ्तार पकड़ेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लोगों की क्रय शक्ति में इससे वृद्धि होगी। जो कालांतर बाजार में मांग में वृद्धि करेगी। इसी मकसद से ब्याज दरों में बदलाव नहीं हुआ है।

बहरहाल, केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बदलाव न करने का एक निष्कर्ष यह भी है कि बैंकों से घर, वाहन आदि के लिये ऋण लेने वालों की ईएमआई कम नहीं होगी। ऐसे में महंगाई से जूझते आम आदमी की राहत की उम्मीद पूरी नहीं हो पायी है। वहीं संकेत इस बात के भी हैं कि महंगाई में वृद्धि का यह क्रम मार्च तक ऊंचाई ले सकता है। ऐसे में फिलहाल महंगाई में कमी के आसार नहीं हैं। आरबीआई ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिये खुदरा महंगाई दर के 5.3 रहने का अनुमान लगाया है जो अंतिम तिमाही में 5.7 रह सकती है। महंगाई से राहत की उम्मीद मार्च के बाद ही की जा रही है। आगामी वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। देश के मौद्रिक नीति नियंताओं को इस बात का ध्यान रखना होगा कि महंगाई बेकाबू न हो क्योंकि गरीब तबके को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। दरअसल, केंद्रीय बैंक की मंशा है कि जब तक विकास दर में स्थिरता नहीं आ जाती तब तक कर्ज महंगा न किया जाये। केंद्रीय बैंक यह कदम इसलिये भी नहीं उठा रहा है क्योंकि फिलहाल महंगाई बढ़त पर है। यद्यपि खुदरा महंगाई दर केंद्रीय बैंक की अधिकतम सीमा से कम है, लेकिन थोक महंगाई दर ऊंची होने के कारण खुदरा महंगाई दर के बढ़ने की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर, विश्व बाजार में कच्चे तेल के दामों में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है। देश में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम पांच राज्यों में चुनाव के चलते नहीं बढ़ाए गये हैं। चुनाव के बाद में इनकी कीमतों में वृद्धि हो सकती है, जो कालांतर महंगाई वृद्धि का कारक बन सकती है। दरअसल, महंगाई में बढ़त की प्रवृत्ति वैश्विक स्तर पर है। अमेरिका को ही लें तो वहां महंगाई का स्तर पिछले चार दशक में सर्वाधिक है। इसका असर भारत जैसे विकासशील देशों पर भी पड़ता है। यह प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ रहा है।(आरएनएस)

अभाविप ने फूंका तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का पुतला

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने लावण्या मामले की अनदेखी करने के आरोप लगाते हुए तमिनाडु के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका।

आज यहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद देहरादून महानगर इकाई द्वारा तमिलनाडु सरकार द्वारा लावण्या आत्महत्या मामले में उचित रूप से जांच में न सहयोग करने व अभाविप कार्यकर्ताओं की अनुचित रूप से गिरफ्तारी के विरोध में तमिलनाडु सरकार व तमिलनाडु मुख्यमंत्री एम के स्तालिन का पुतला दहन किया गया। इस दौरान प्रदेश सह-मंत्री ऋषभ रावत ने बताया कि तमिलनाडु सरकार ने प्रकरण की जांच को दबाने का प्रयास किया है और साथ ही जांच को प्रभावित करने का प्रयास किया। जिला सह-संयोजक किरन कठायत ने कहा कि अभाविप कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहाई की मांग करती है व तमिलनाडु सरकार को सीबीआई जांच का पूर्ण सहयोग करने की मांग करती है। इस दौरान विभाग सह-संयोजक विशाल सिंह,जिला संयोजक चंदन नेगी,प्रांत कार्यालय मंत्री मनीष राय,कार्तिक तोमर,दयाल बिष्ट,अर्जुन नेगी, समृद्धि,पार्थ जुयाल,करन घाघट,कुलदीप पँवार,अमन जोशी, आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने की विधानसभा चुनाव की मंडलवार समीक्षा बैठक

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव की मंडलवार समीक्षा बैठक की।

आज यहां भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला अध्यक्ष शमशेर सिंह पुंडीर की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला देहरादून की विधानसभा चकराता ,विकासनगर, सहसपुर, डोईवाला ऋषिकेश विधानसभा में हुए मतदान की मंडलवार समीक्षा की गई । जिला अध्यक्ष शमशेर सिंह पुंडीर ने कहा कि मंडल अध्यक्षों पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक के आधार पर कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी जिला देहरादून की सभी पांचों विधानसभा में जीत का परचम लहराने जा रही हैं उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही भाजपा की पूंजी हैं। केंद्र सरकार व राज्य सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को मतदाताओं द्वारा सरहाया गया है जो कि भाजपा के जीत का बहुत बड़ा कारण होगा। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अरुण कुमार मित्तल व सुदेश कंडवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी संपूर्ण सिंह रावत मंडल अध्यक्ष विनय कंडवाल, राजकुमार राज, राजेंद्र मनवाल, अमर सिंह चौहान ,अनूज गुलेरिया, दिनेश कौशिक, रतन सिंह चौहान ,मोनिका अग्रवाल, सुखदेव फर्सवाण, नगीना रानी, मनीष नैथानी, पंकज शर्मा, विक्रम नेगी, विनोद कश्यप ,वीरेंद्र चौहान आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंड पुलिस ने की वाहन चालानों से 29.42 करोड़ की कमाई

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस ने वर्ष 2021 में वाहनों के चालान करके 29 करोड़ 42 लाख 47 हजार 700 रूपये का जुर्माना (संयोजन शुल्क) वसूल किया है।

इस बात का खुलासा काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट को पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है। सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड के लोक सूचना अधिकारी से 2021 में पुलिस द्वारा किये गये वाहनों के चालान तथा वसूले गये जुर्माने (संयोजन शुल्क) की सूचना मांगी गयी थी। जिसके जवाब में पुलिस मुख्यालय की लोक सूचना अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (कार्मिक) शाहजहां जावेद खान ने अपने पत्रांक 661 के साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक निदेशक यातायात मुख्तार मोहसिन द्वारा उपलब्ध कराये गये विवरणों की प्रतियां उपलब्ध करायी गयी।

उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्तराखंड पुलिस ने 2021 में कुल 529165 वाहन चालान किये है जिसमें 1,09,975 चालान सी.पी.यू. की 6 यूनिटों द्वारा तथा 4,19,190 चालान अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा किये गये है। इन चालानों पर पुलिस द्वारा कुल 29 करोड़ 42 लाख 47 हजार 700 का जुर्माना (संयोजन शुल्क) वसूला गया है। इसमें सी.पी.यू. द्वारा 3 करोड़ 87 लाख 87 हजार 100 तथा अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा 25 करोड़ 54 लाख 60 हजार 600 का संयोजन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया है।

सी.पी.यू. द्वारा किये गये चालानों में सर्वाधिक 23850 चालान देहरादून यूनिट द्वारा किये गये है तथा दूसरे स्थान पर रूद्रपुर यूनिट ने 22938 चालान किये है। हरिद्वार यूनिट द्वारा 10175 चालान किये व रूड़की यूनिट द्वारा 19234 चालान किये गये है। काशीपुर यूनिट द्वारा 17899 चालान तथा हल्द्वानी यूनिट द्वारा 15879 चालान किये गये है।

सी.पी.यू. के अतिरिक्त अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा किये गये चालानों में सर्वाधिक 92894 चालान देहरादून जिले में किये जबकि उधमसिंह नगर जिले में 77916 चालान हुए है। उत्तरकाशी जिले में 6907 चालान, टिहरी में 47652 चालान, चमोली में 11958 चालान, रूद्रप्रयाग में 9164 चालान, पौड़ी में 28862 चालान, हरिद्वार में 38728 चालान, नैनीताल में 50621चालान, अल्मोड़ा में 10752 चालान, बागेश्वर में 9181चालान, पिथौरागढ़ में 21262 चालान तथा चम्पावत में 13293 चालान किये गये है। जिनसे उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा 29 करोड़ 42 लाख 47 हजार 700 रूपये का जुर्माना वसूल किया गया है।

चोरी के जेवरात व नगदी के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के जेवरात व नगदी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धार्थ अरोड़ा पुत्र स्वर्गीय श्री सतीष्ठा अरोड़ा निवासी जनकपुरी नई दिल्ली हाल ग्राम बिरौडि धौलास थाना प्रेमनगर जनपद देहरादून के द्वारा थाना प्रेमनगर पर लिखित सूचना दी गई कि धौलास स्थित उनके मकान की अलमारी से चोर द्वारा गहने व छह हजार रुपए चोरी कर ले गए हैं। प्राप्त सूचना के आधार पर थाना प्रेमनगर पर मुकदमा दर्ज कर जांच हेतु थानाध्यक्ष प्रेम नगर द्वारा थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम के द्वारा ठोस पता रस्सी सुराग रस्सी करते हुए पूछताछ के दौरान वादी के मकान में काम करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सारा सामान बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम आसिफ खान पुत्र अयूब खान निवासी किशन नगर चौक जवाहर कॉलोनी बल्लूपुर रोड थाना कैंट देहरादून, नदीम पुत्र नईम निवासी ग्राम रामपुर थाना लक्सर हरिद्वार बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लोन के नाम पर ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने लोन के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामप्रसाद पुत्र गिरधारी निवासी ग्राम धौराहरा थाना अतरौलिया जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश हाल निवासी रामपुर कला चोई बस्ती ने साईबर थाना में आकर प्रार्थना पत्र दिया कि विशाल कश्यप द्वारा अपने मोबाइल फोन से फोन कर बताया कि वह लोन एजेंट है तथा लोगों के लिए लोन मुहैया करता हूं तुम्हें लोन की आवश्यकता है। तुम्हारा लोन करवा लूंगा।

लोन के संबंध में विशाल कश्यप द्वारा कई बार फोन किया गया और लोन दिलाने के लिए मेरे से गूगल एप व भीम एप के द्वारा अलग-अलग तिथियों में 28000 डलवाए गए ! इसी बीच राजीव शर्मा व जितेंद्र वर्मा के भी लोन विषयक कई बार फोन आए तथा वह भी मुझे

आश्वासन देते रहे कि आपका लोन हो जाएगा और अपने अपने खातों में थोड़ी-थोड़ी धनराशि डलवाते रहे उनके द्वारा बार-बार पैसों की डिमांड की जा रही थी। प्राप्त प्रार्थना पत्र पर धोखाधडी का मुकदमा दर्ज किया गया।

मुकदमा दर्ज कर साइबर टीम एव विवेचक द्वारा लाए गए तीनो आरोपियों के साथ पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया कि पहले वह लोग फाइनेंस कंपनी में कार्य करते थे फाइनेंस कंपनी के बंद हो जाने के कारण उनका रोजगार छूट गया और वह बेरोजगार हो गए। जिस कारण हमारा खर्चा चलना एवं शौक पूरा करने के रास्ते बंद हो गए वह तीनों द्वारा लोगों को फोन कर लोन के नाम पर धोखाधड़ी का काम करने लगे लोगों से वह गूगल एप और भीम एप के जरिए फाइल चार्ज की धनराशि मंगवाते थे जिससे उनका खर्चा चलता और लोन लेने वाले व्यक्ति से वह लोग बार-बार बात करते रहते इससे उसे आभास ना हो कि वह उसके साथ ध ोखाधड़ी कर रहे हैं। रामप्रसाद के साथ भी हमने लोन दिलवाने के नाम पर 28000 की धोखाधड़ी की। जिसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ दर्ज कर लिया गया।

एक नजर

हरियाणा में प्राइवेट नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण पर लगी रोक हटी

हरियाणा। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को बड़ी राहत दी है। साथ उच्चतम न्यायलय ने पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट को झटका देते हुए उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें सरकार के जरिए निजी क्षेत्र की नौकरियों में प्रदेश के लोगों को ७५ प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगा लगाई थी। साथ ही स्टे हटाते हुए हाइकोर्ट को चार हफ्ते में इस मामले का निपटारा करने के आदेश दिए हैं। गुरुवार दोपहर को सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा– मामले पर कोई भी फैसला सुनाने से पहले सभी पक्षों को विस्तृत रूप से सुना जाना चाहिए था। क्योंकि यह मामला संवैधानिक पहलुओं से जुड़ा है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने यह तक कहा कि हाईकोर्ट के पास निजी क्षेत्र में नौकरी के लिए मिलने वाले ७५ प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगाने का कोई वेलिड वजह भी नही है। इसलिए इसको रद्द किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बारे में डिप्टी एडवोकेट जनरल शेखर राज शर्मा ने पूरी जानकारी दी है। उन्होंने बताया सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, हरियाणा सरकार निजी कंपनियों, फैक्ट्रियों के मालिकों के खिलाफ पर कोई दंडात्मक कार्रवाई न करे।

पंचतत्व में विलीन हुए बप्पी दा

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर सिंगर और म्यूजिक कम्पोजर बप्पी लाहिड़ी का बुधवार को ६९ साल की उम्र में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को विले पार्ले स्थित पवनहंस श्मशान घाट पर किया गया। बेटे बप्पा लाहिड़ी ने सभी क्रिया–कर्म करते हुए पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले घर से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। बप्पी दा का पार्थिव शरीर फूलों से सजे एक ट्रक से श्मशान घाट लाया गया। बता दें कि बप्पी दा का बेटा बुधवार देर रात अमेरिका से मुंबई पहुंचा, जिसकी वजह से उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को किया गया। बप्पी दा के अंतिम संस्कार में शक्ति कपूर, विद्या बालन, मीका सिंह, बिंदु दारा सिंह, उदित नारायण, शान, अभिज्जीत भट्टाचार्य, अलका याग्ग्नघ्कि, ईला अरुण, भूषण कुमार, निखघ्लि द्वघ्विेदी, बी. सुभाष, रूपाली गांगुली, सुनील पाल समेत कई सेलेब्स श्मशान घाट में मौजूद थे। बप्पी दा अपने पीछे एक भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी फैमिली में पत्नी चित्राणी के अलावा एक बेटा, बेटी, बहू और पोता शामिल हैं। बप्पी लाहिड़ी अपने माता–पिता की इकलौती संतान थे।

ब्राजील में भूस्खलन से 94 लोगों की हुई मौत, कई घर हो गए तबाह

रियो दि जिनरियो। ब्राजील के रियो दि जिनरियो राज्य के पर्वतीय क्षेत्र में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर ९४ हो गई है। स्थानीय अधिकारियों जारी बयान में यह जानकारी दी है। बारिश तबाही बनकर सामने आई है। कई घर तबाह हो गए हैं और तमाम लोग लापता बताए जा रहे हैं। लोगों को बचाने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित पेट्रोपोलिस में राहत एवं बचाव अभियान अभी जारी है। यहां के मेयर रुबेन्स बोम्टेम्पो का कहना है कि हताहतों (मृतकों) की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक २१ लोगों को सुरक्षित बचाने में कामयाबी मिली है। गवर्नर क्लॉडियो कास्त्रो ने पत्रकारों को बताया कि यह युद्ध जैसी स्थिति है और वह प्रभावित क्षेत्रों से मलबा साफ करने के लिए आसपास के राज्यों से भारी मशीनरी सहित हर संभव मदद मंगवा रहे हैं। वहीं, स्पुतनिक न्यूज एजेंसी ने मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया कि करीब ८० लोगों की मौत हुई है, जबकि आपदा से ५४ घर तबाह हो गए। रूसी समाचार एजेंसी ने कहा कि नागरिक सुरक्षा सेवा ने २४ लोगों को बचाया हैं, जबकि ३५ अन्य लोग लापता हैं।

मतदान के बाद भाजपा व कांग्रेस में घमासान

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मतदान होते ही दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस अपने ही दलों के अंदर जारी घमासान में उलझ गए हैं। भितरघात की खबरों ने जहां भाजपा को असहज कर दिया है वहीं कांग्रेसी दिग्गजों के बीच सीएम की कुर्सी को लेकर खींचतान शुरू हो गई है।

सूबे में सरकार किसकी बनेगी यह भले ही 10 मार्च को आने वाले चुनाव परिणामों से तय हो लेकिन मतदान के बाद भाजपा के सीटिंग विधायक और प्रत्याशी जिस तरह से खुलकर चुनाव में अपनी ही पार्टी के नेताओं पर भितरघात करने के आरोप लगा रहे हैं उनकी गूंज दिल्ली तक सुनाई दे रही है। वर्तमान चुनाव में अगर भाजपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता तो वह इन भितरघात की खबरों की पुष्टि करने वाला ही होगा। हालांकि अभी मुख्यमंत्री धामी पार्टी के नेताओं को संयम बरतने की नसीहत देते हुए भाजपा की जीत को पक्का बता रहे हैं। लेकिन हर रोज आने वाली इन खबरों को लेकर भाजपा हाईकमान ने भी प्रदेश पार्टी संगठन से इसकी रिपोर्ट मांगी है

❑भितरघात को लेकर भाजपा असहज
❑कांग्रेस में सीएम की कुर्सी पर खींचतान

जिससे मामले की गंभीरता को समझा जा सकता है। वही मीडिया में प्रदेश संगठन में बदलाव की खबरों ने भी यह पुख्ता कर दिया है कि कहीं न कहीं दाल में काला तो जरूर है। भितरघात का यह मुद्दा भाजपा पर कहीं भारी न पड़ जाए? इसे लेकर दून से दिल्ली तक बेचैनी पैदा हो गई है।

उधर चुनाव से पूर्व ही चेहरे पर चुनाव लड़ने के मुद्दे पर दो धड़ों में बंटी कांग्रेस में एक बार फिर मतदान के बाद घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस हाईकमान ने भले ही चुनाव से पूर्व हरीश रावत की लाख कोशिशों के बाद भी उन्हें सीएम का चेहरा घोषित न किया हो लेकिन वह अब फिर सार्वजनिक रूप से यह कह रहे हैं कि या तो वह मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर घर बैठेंगें। तीसरा कोई विकल्प नहीं है। वही प्रीतम सिंह का कहना है कि कांग्रेस चुनाव जीत रही है और सीएम के नाम पर विधायक और कांग्रेस हाईकमान द्वारा ही फैसला लिया जाएगा। सवाल यह है कि चुनाव परिणाम से पूर्व ही सीएम के नाम को लेकर कांग्रेसी क्यों आमने-सामने हैं? अभी तो चुनाव परिणामों के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। कांग्रेस के कुछ नेताओं का कहना है कि हरीश रावत चुनाव परिणाम से पूर्व ही इस तरह के बयान देकर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह उनके अंदर का डर है कि कहीं कांग्रेस के जीतने के बाद किसी और को सीएम की कुर्सी पर न बैठा दिया जाए। सूबे का सीएम कोई दलित चेहरा हो तो वह अपनी दावेदारी छोड़ सकते हैं जैसे वह खुद भी बयान देते रहे हैं। खैर किसकी बनेगी सरकार और कौन बनेगा मुख्यमंत्री 10 मार्च के बाद तय हो जाएगा लेकिन भितरघात व सीएम की कुर्सी के चलते दोनों दलों में बेचैनी जरूर देखी जा रही है।

छह खाद्य तेल कम्पनियों पर छापे, पांच को नोटिस थमाये

संवाददाता

देहरादून। फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने दूसरे दिन भी छह खाद्य तेल निर्माता कम्पनियों पर छापे मार सेंपल लिये, पांच को नोटिस दिये गये।

आज यहां दूसरे दिन भी फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने पटेलनगर थाना क्षेत्र में छह खाद्य तेल निर्माता कम्पनियों पर छापे की कार्यवाही की। सुबह से कई घंटों तक चली इस कार्यवाही के दौरान कई सेंपल लिये गये। इसी दौरान टीम ने पांच कम्पनियों को नोटिस भी दिये तथा सभी सेंपल रूद्रपुर भेजने की तैयारी कर दी है।

चोरी के सामान सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की तारों व माशीन के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी शरीफ अहमद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सचिवालय आवासीय कालोनी के पास एक निर्माणधीन भवन से चोरों ने तारों के बंडल व कटर मशीन चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को खाली पडे प्लाट के पास से दो लोगों को चोरी की तारें व कटर मशीन के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सद्दाम हुसैन पुत्र नकुल इस्लाम व शहीद अली पुत्र फजर अली नि वासी आसाम बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली ऋषिकेश में नवनीत गुप्ता पुत्र स्वर्गीय विनोद कुमार गुप्ता निवासी अपर गंगा नगर ऋषिकेश देहरादून के द्वारा एक लिखित तहरीर दी कि किसी व्यक्ति के द्वारा घर के बाहर से उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर लेने के दी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को देकर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ऋषिकेश के द्वारा चोरी की गई मोटरसाइकिल की बरामदगी एवं चोर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित की गई।

गठित टीम के द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए घटनास्थल एवं आस पास आने जाने वाले मार्गो पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक करते हुए, सर्विलांस की सहायता लेकर, इस प्रकार की चोरी में शामिल पुराने चोरों की जानकारी करते हुए भौतिक सत्यापन कर गत दिवस सूचना पर परशुराम चौक के पास से राहुल कश्यप पुत्र सोमपाल कश्यप निवासी ग्राम बडकली पोस्ट कूटेसरा मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश हाल निवासी किराएदार सोनू यादव कुवे वाली गली बनखंडी ऋषिकेश देहरादून को गिरफ्तार किया गया। राहुल की निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल को बरामद किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।